



NEWSLETTER

शनिवार, 4 फ़रवरी 2023 | वॉल्यूम - 31

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE



बजट 2023-24

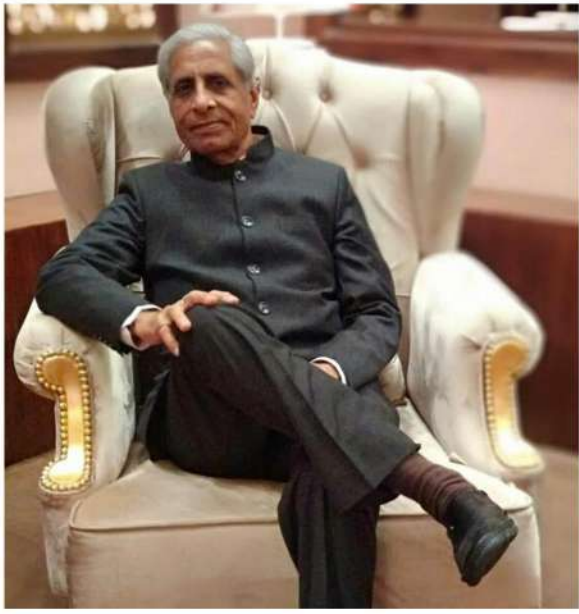
टेक्सप्रोसिल अध्यक्ष ने केंद्रीय बजट
2023-24 का किया स्वागत

**TOP 5
NEWS
OF THE
WEEK**



**GOLD : 56560
SILVER : 67625
CRUD OIL : 6112**

काँटन इंडस्ट्री लगातार फैल रही है लेकिन उस अनुपात में काँटन की फसल नहीं बढ़ पा रही है। अब यदि हम आगे ग्रोथ चाहते हैं तो हमें पैदावार बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए ना कि नई इंडस्ट्री लगाने में। यह बात कहीं अपर राजस्थान के गंगानगर क्षेत्र के जाने-माने काँटन ब्रोकर सतीश गाखर ने।



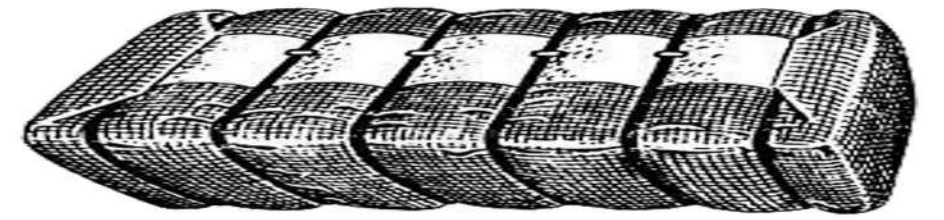
उद्योग की तरक्की का एकमात्र रास्ता- काँटन की पैदावार बढ़ाना

सतीश गाखर/ (काँटन ब्रोकर, गंगानगर, राजस्थान)

उन्होंने बताया कि काँटन उद्योग से उनका नाता बहुत पुराना है। सन् 1950 से पहले उनके पाकिस्तान में उनके पिताजी की एक काँटन फैक्ट्री थी। बंटवारे के बाद उन्होंने गंगानगर क्षेत्र में चुनिंदा कंपनियों के लिए काँटन ब्रोकरेज का काम शुरू किया। सन् 1972 से सतीशजी भी इस मैदान में उतर गए। वर्तमान में वे गंगानगर क्षेत्र के प्रमुख काँटन ब्रोकर्स में शामिल हैं। जानिए एसआईएस से उनकी बातचीत के मुख्य अंश:

- यह एक ऐसी इंडस्ट्री है जहां यदि 1 महीना में लाभ में फैक्ट्री चल जाए तो सालभर का खर्च निकल जाता है। लेकिन इस साल तो 1 दिन भी किसी भी फैक्ट्री ने लाभ में काम नहीं किया है।
- कुछ समय पहले तक यह व्यापार बहुत स्थिर था। लेकिन जब से मल्टीनेशनल कंपनीज ने यहां पैर जमाना शुरू किए हैं तब से यहां उतार-चढ़ाव शुरू हो गया है। कंपनीज एडवांस में टेक्सटाइल मिलों को काँटन सेल कर रही है जिसके चलते हमारे बायर कम हो गए हैं। मौटै तौर पर समझे तो पहले जहां 50 मिल्स सेल के लिए मौजूद थी वहां अब केवल 5 मिल्स बची है।
- एमसीएक्स एक टूल है जिसे जमींदार के लिए बनाया गया था ताकि वह अपना माल आसानी से सही दाम पर बेच सकें। लेकिन फैक्ट्री मालिक, मल्टीनेशनल कंपनी और तमाम व्यापारियों के इसमें आ जाने के बाद से इस पर व्यापार का स्वरूप ही बदल गया है।
- बजट 2023 में टेक्सटाइल के लिए कुछ नहीं है और एक्सट्रा लॉन्ग स्टेपल काँटन के लिए जो घोषणा हुई भी है उसका हमारे राजस्थान में कोई लाभ नहीं होने वाला। यहां तो देशी काँटन की पैदावार बढ़ाने पर काम होना चाहिए। पिछले कुछ सालों में पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में देशी काँटन की पैदावार लगातार घट रही है।
- राजस्थान में भूमि की कमी नहीं है कमी है तो केवल पानी की। यदि पंजाब से राजस्थान में पानी आना शुरू हो जाए तो यहां पड़ी रेतीली भूमि भी उपजाऊ बन सकती है। यहां के काँटन की क्वालिटी अच्छी है। सरकार कुछ प्रयास करें तो उपज बढ़ाई जा सकती है।
- पिछले कुछ सालों में राजस्थान में जिनिंग फैक्ट्री तेजी से लगाई गई है। नतीजा, कॉम्पिटिशन बहुत ज्यादा हो गया है। गंगानगर की ही बात करें तो 5 साल पहले तक यहां केवल 5 जिनिंग थी जो अब बढ़कर 10 से भी ज्यादा हो गई है।
- पहले और अब में एक बड़ा बदलाव जो हुआ है वो यह है कि पहले मिल्स ग्राउंड रिपोर्ट बनवाने के लिए खर्च करती थी। खेतों में जाकर वहां की फसल की ग्रोथ का आंकलन किया जाता था और अनुमानित लेकिन बहुत हद तक सही आंकलन होता था।
- पैदावार बढ़ाने और फसल को स्वस्थ रखने के लिए किसानों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। सरकार को एक टीम बनानी चाहिए जो समय-समय पर गांव-गांव जाकर वहां की फसल की स्थिति समझें और किसानों को जागरूक करने के लिए काम करें।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कपास की गांठों के लिए नया
“क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर”



निर्यात को बढ़ावा देने और घटिया उत्पादों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए सरकार कपास की गांठों और विस्कोस यार्न जैसी वस्तुओं पर एक नया क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) लाने पर विचार कर रही है। कपड़ा निर्यात में तेज गिरावट के संकेतों के बीच शाह ने कहा कि चौथी तिमाही में निर्यात ऑर्डर में तेजी आई है और कपास की कीमतों में नरमी से विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। यह बात कहीं कपड़ा सचिव रचना शाह ने प्रस्तुत है उनकी बात के कुछ संपादित अंश:

क्यूसीओ को लाने का सबसे महत्वपूर्ण कारण यह है कि गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दिया जाता है। हमें अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। अन्य देशों से घटिया वस्तुओं के आने के उदाहरण हैं और यह उस पर भी ध्यान देने की कोशिश करेगा। किसी भी क्यूसीओ के लिए उद्योग के साथ विचार-विमर्श होता है और क्यूसीओ की तैयारी के चरण से ही हितधारक हमेशा मौजूद रहते हैं। और अगर कोई वास्तविक समस्या है तो हम जितना संभव हो उतना समायोजित करने के लिए हमेशा तैयार हैं। हम विशेष रूप से तकनीकी वस्त्रों में कई क्यूसीओ लाने की प्रक्रिया में हैं। क्यूसीओ के लिए हम काँटन बेल्स और विस्कोस यार्न पर विचार कर रहे हैं। यह एक गतिशील प्रक्रिया है और हम इसका लगातार आकलन करेंगे।

एफटीए के साथ लाभ को वापस पाने में सक्षम

इन देशों - यूके, ऑस्ट्रेलिया, ईयू - में एक बड़ा नुकसान यह है कि हमारे उत्पादों पर आयात शुल्क हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता में कटौती करता है। लेकिन बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रमुख प्रतिस्पर्धियों की 'सबसे कम विकसित देश' की स्थिति के कारण बेहतर पहुंच है। एफटीए के साथ हम उस लाभ को वापस पाने में सक्षम होंगे। हमारे अधिकांश हस्तक्षेप जैसे कि पीएम मित्रा, पीएलआई योजना, ये सभी सभी खंडों में आकार और अर्थव्यवस्था के पैमाने के निर्माण को लक्षित कर रहे हैं, ताकि हम रसद लागत में कटौती कर सकें। शुल्क में कटौती के साथ-साथ अपने पैमाने और आकार के निर्माण के साथ, हम इन बाजारों में बहुत अच्छी तरह से पूरा करने में सक्षम होंगे। यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के अलावा भारत कनाडा के साथ भी एफटीए पर बातचीत कर रहा है। यूके और ईयू में ड्यूटी 8 से 10 फीसदी है। कनाडा में शुल्क वास्तव में 14 से 18% है। इसलिए महत्वपूर्ण लाभ होंगे- यूरोपीय संघ विशेष रूप से बहुत बड़ा होगा।

व्यापार मंदी से लड़ने के लिए सरकार की रणनीति

पिछले साल की तुलना में पहली तीन तिमाहियां उतनी आशावादी नहीं रही हैं। हालांकि, हम उम्मीद करते हैं कि चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में विशेष रूप से तैयार और मानव निर्मित फाइबर में तेजी आएगी। वैश्विक मंदी ने हमारे प्रमुख बाजारों-यूरोपीय संघ और अमेरिका दोनों को प्रभावित किया है। चौथी तिमाही में ऑर्डर की स्थिति में सुधार हुआ है। कपास की उच्च कीमतों में कमी आई है और अगले कुछ महीनों में विनिर्माण के लिए हरे रंग की शूटिंग हो सकती है। और एफटीए, मानव निर्मित फाइबर और तकनीकी वस्त्र पर पीएलआई योजना से हम वैश्विक व्यापार में बहुत बड़ी उपस्थिति की उम्मीद कर सकते हैं।

**adani
wilmar**
For a healthy growing nation
Presents

GLOBAL CASTOR CONFERENCE 2023

24th -25th February 2023
Hotel Courtyard by Marriott, Ahmedabad
Gujarat, India.

Theme- Castor Sustainability - A Way Forward



**THE SOLVENT EXTRACTORS'
ASSOCIATION OF INDIA**
PREMIER ASSOCIATION OF VEGETABLE OIL
INDUSTRY AND TRADE IN INDIA
ISO 9001:2015 Organisation

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

30 जनवरी से 4 फरवरी के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर एसआईएस की रिपोर्ट

बजट की वजह से इस सप्ताह शेयर मार्केट में खासा उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। सप्ताहअंत पर कुछ कंपनीज के शेयर्स का मार्केट कैप पॉजिटिव रहा तो ज्यादातर कंपनीज का मार्केट कैप निगेटिव देखने को मिला। आइए जानते हैं बीएससी के मंच पर कैसी रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की परफॉरमेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	295.3	296.35	287.55	3.05%
अरविद लिमिटेड	82.9	84.9	82.5	1.70%
वेलसपन इंडिया	69.05	70.55	67.75	0.95%
नितिन स्पिनर्स	202.2	212.4	201.1	7.10%
रेमण्ड	1389	1446.95	1376.1	39.15%
अक्षिता कॉटन	60.5	62.5	59.7	0.40%

जानिए इस सप्ताह की कॉटन मार्केट की हलचल

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 04.02.2023			
ICE COTTON			
MONTH	27.01.23	03.02.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	86.89	85.43	-1.46
MAY	87.45	86.11	-1.34
JULY	87.8	86.72	-1.08
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1629	1608	-21
NCDEX (COCUD KHAL)			
FEB	2875	2768	-107
MARCH	2809	2711	-98
APRIL	2773	2706	-67
CURRENCY (\$)			
INDIAN (Rupee)	81.52	81.83	0.31
PAK (Pakistani Rupee)	262.849	275.498	12.649
CNY (Chinese yuan)	6.78344	6.77587	-0.00757
BRAZIL (Real)	5.10929	5.15199	0.0427
AUSTRALIAN Dollar	1.39826	1.44426	0.046
MALAYSIAN RINGGITS	4.24399	4.26008	0.01609
COTLOOK "A" INDEX			
COTLOOK "A" INDEX	102.4	101.7	-0.7
BRAZIL COTTON INDEX			
BRAZIL COTTON INDEX	104.27	102.03	-2.24
USDA SPOT RATE			
USDA SPOT RATE	84.68	83.25	-1.43
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)			
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	22000	2000
GOLD (\$)			
GOLD (\$)	1928	1877.7	-50.3
SILVER (\$)			
SILVER (\$)	23.725	22.39	-1.335
CRUDE (\$)			
CRUDE (\$)	79.38	73.23	-6.15

पिछले सप्ताह कॉटन के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज मार्केट पर मार्च, मई और जूलाई महीनों के कॉटन सौदों के भाव में क्रमशः 1.46व 1.34 और 1.08 अंक की कमी आई।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस सप्ताह कम हुए हैं। सप्ताह की शुरुआत में अप्रैल सौदे के लिए कपास के भाव 1629 रूपए थे जो सप्ताहअंत पर 21 रूपए घटकर 1608 रूपए हो गया। खल के भाव में भी गिरावट देखने को मिली। फरवरी, मार्च और अप्रैल माह के सौदों के लिए क्रमशः 107 रूपए, 98 रूपए और 67 रूपए तक भाव कम हुए हैं।

अन्य कॉटन एक्सचेंज की बात करें तो केवल पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट को छोड़ बाकि सभी एक्सचेंज पर कॉटन के भाव कम हुए हैं। कॉटलुक ए इंडेक्स पर 0.7, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 2.24 और यूएसडीए स्पॉट रेट पर 1.43 अंक की कमी इस सप्ताह दर्ज की गई।

करंसी मार्केट में इस सप्ताह डॉलर ने एक बार फिर से बाजी मारी है। चाइनीज युआन को छोड़ दिया जाए तो अन्य सभी देशों की करंसी पर डॉलर हावी रहा है।

टेक्सप्रोसिल अध्यक्ष ने केंद्रीय बजट 2023-24 का किया स्वागत

केंद्रीय बजट 2023-24 एक विकासोन्मुख और एक रोजगार प्रधान बजट है जो भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ाएगा। कॉटन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (TEXPROCIL) के अध्यक्ष सुनील पटवारी ने कहा, "टेक्सटाइल सेक्टर में MSMEs के लिए बड़ी राहत लाएगा, जिससे उन्हें वैश्विक बाजारों में लगातार प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।"




सुनील पटवारी / (टेक्सप्रोसिल अध्यक्ष)

अध्यक्ष ने कपास सहित कई उत्पादों के लिए नई टैरिफ लाइनों के निर्माण के प्रस्ताव के लिए सरकार की सराहना की, क्योंकि इससे व्यापार में सुविधा होगी। इसी प्रकार, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से सरकार द्वारा अपनाए गए क्लस्टर-आधारित और मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण के माध्यम से एक्स्ट्रा लॉन्ग स्टेपल कॉटन (ईएलएससी) की उत्पादकता बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इसका मतलब इनपुट आपूर्ति, विस्तार सेवाओं और बाजार लिंकेज के लिए किसानों, राज्य और उद्योग के बीच सहयोग होगा, जो एक स्वागत योग्य कदम है।

बजट 2023 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए टेक्सप्रोसिल के अध्यक्ष ने कहा, "केंद्रीय बजट ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 और 30 स्किल इंडिया अंतरराष्ट्रीय केंद्रों की स्थापना जैसे प्रस्तावों के माध्यम से रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया है जो व्यवसायों में विस्तार को प्रोत्साहित करेगा और उद्योग, इस प्रकार अधिक नौकरियों के लिए अग्रणी।"

चेयरमैन ने उद्योग के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार के लिए विनियामक अनुपालन बोझ को कम करने की दिशा में कदम उठाने के लिए सरकार की सराहना की। टेक्सप्रोसिल के चेयरमैन ने ब्याज समानता योजना पर कहा, "2022-23 में 2376 करोड़ रुपये के आवंटन में 2023-24 में 2932 करोड़ रुपये की वृद्धि, 23% की वृद्धि, विशेष रूप से एमएसएमई द्वारा निर्यात का समर्थन करने में मदद करेगी। और अन्य निर्यातक बढ़ती ब्याज दरों के मद्देनजर।" उन्होंने कॉटन यार्न को उन 410 मर्चें की सूची में शामिल करने की अपील की जो ब्याज सबवेंशन के पात्र हैं।

टेक्सप्रोसिल के अध्यक्ष ने कहा कि एमएआई योजना के लिए आवंटन में 2022-23 में 160 करोड़ रुपये से 2023-24 में 200 करोड़ रुपये की वृद्धि वैश्विक बाजारों में भारतीय वस्त्रों को प्रदर्शित करने की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

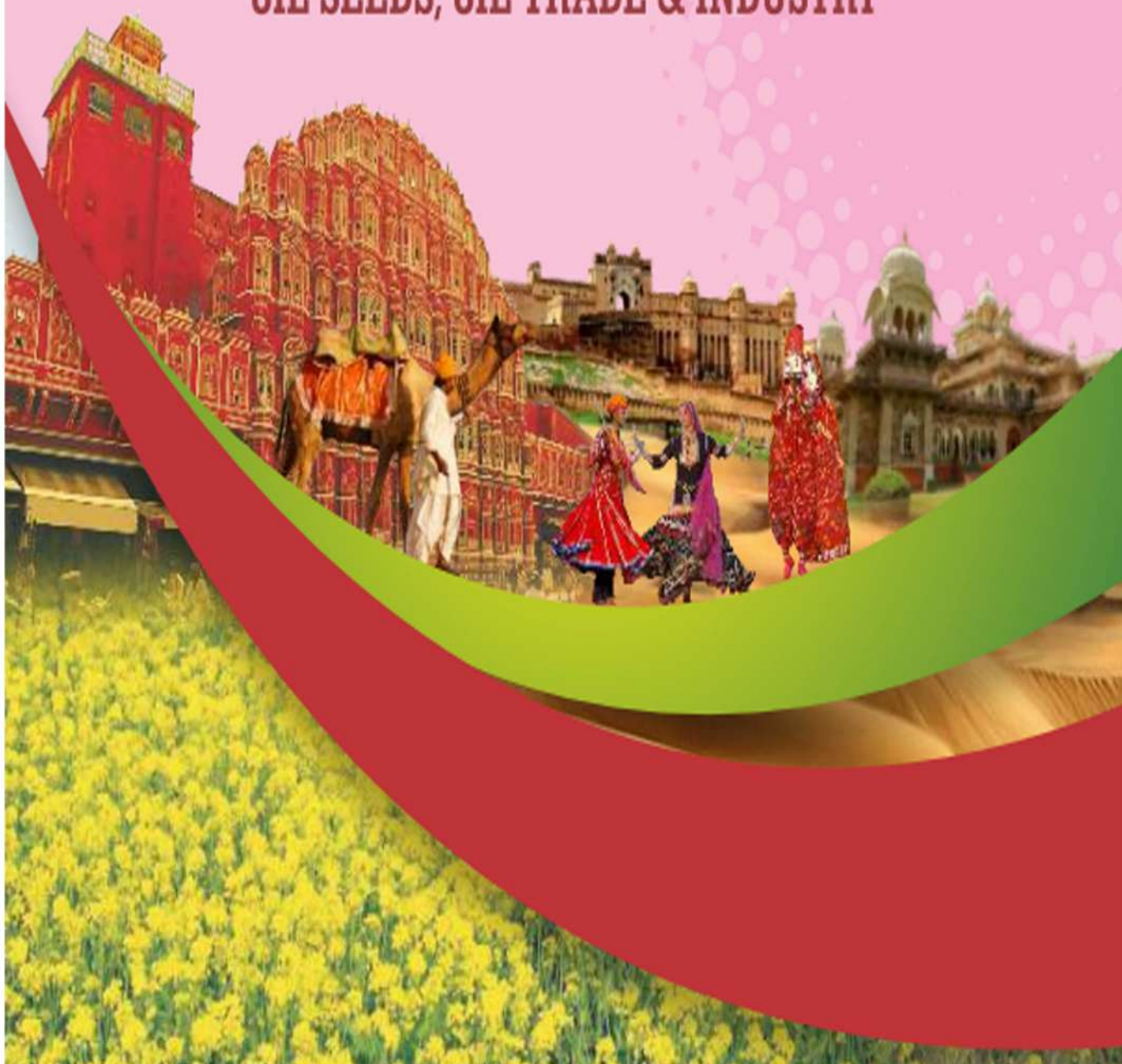


R A J A S T H A N

पधारो म्हारे देश


43rd

ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023
HOTEL CLARKS AMER
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023
BIRLA AUDITORIUM
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

Mustard Oil Producers Association of India

BABU LAL DATA President 9829099922	K.K. AGARWAL Secretary 9414023541	PARAS JAIN Treasurer 9610232000	ANIL CHATAR Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

Office : Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)
Fax: +91-141-2554972 • website : www.info@mopaindia.org • E-mail : info@mopaindia.org

Seminar Office : B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001
Mob. : +91 6377714501 • E-mail : mopa.jaipur@gmail.com

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

- गुजरात में कपास की बीसीडी में नहीं हुआ कोई बदलाव**
 कपास के आयात पर 10% बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) में कोई बदलाव नहीं होने से ग्राहकों को परिधान और वस्त्रों की बढ़ती कीमतों से कोई राहत नहीं मिलेगी। हालांकि उद्योग, सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से अतिरिक्त लंबे स्टेपल कपास की उत्पादकता बढ़ाने की योजनाओं से खुश हैं।
- पंजाब-हरियाणा और राजस्थान के कपास किसानों को नहीं मिलेगा अतिरिक्त लंबे स्टेपल की घोषणा का कोई लाभ**
 अतिरिक्त लंबे स्टेपल कपास की उत्पादकता बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट में सुझाए गए उपायों का तीन उत्तर भारतीय राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के लिए कोई मतलब नहीं होगा, जो कपास की बुवाई कर रहे हैं। आम तौर पर पंजाब और हरियाणा में 27.5-28.5 एमएम लंबे स्टेपल का कच्चा कपास पैदा होता है।
- तिरुपुर निटवेअर निर्यातकों ने चौथी तिमाही के निर्यात ऑर्डर के रुझान पर जताई चिंता**
 मौजूदा तिमाही में तिरुपुर में बुना हुआ कपड़ा निर्यातकों के लिए कोई बड़ी खुशी लेकर नहीं आया है, यह बात कही तिरुपुर के एक प्रमुख कपड़ा निकाय के प्रतिनिधि का। दरअसल, तीसरी तिमाही में, तिरुपुर से बुने हुए कपड़ों के निर्यात में लगभग 19 प्रतिशत की गिरावट आई और यह करीब 97.5 करोड़ डॉलर रहा।
- 13 फरवरी से MCX पर दोबारा शुरू हो रहा है कॉटन वायदा बाजार**
 हाल ही में एमसीएक्स ने एक सर्कुलर जारी किया और कुछ संशोधन के साथ 13 फरवरी 2023 से कॉटन वायदा शुरू करने की घोषणा की है। नए सर्कुलर में यह बात स्पष्ट की गई है कि अब से एमसीएक्स पर कॉटन की नहीं बल्कि कॉटन कैंडी के सिम्बॉल से हेजिंग की जाएगी।
- तेलंगाना के कपास किसानों को भारी नुकसान**
 जहां पिछले साल कपास की कीमतें 9,000 से 10,000 रुपये प्रति किंटल से अधिक हो गई थीं और क्षेत्र के कपास किसानों को अच्छा मुनाफा दिया था, वहीं इस साल कपास की कीमतें 6,000 से 8,000 रुपये प्रति किंटल के बीच घट रही हैं। जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है क्योंकि वे कपास पर अपना निवेश वापस पाने में सक्षम नहीं हैं।

कॉटन कीमतों में दर्ज हुई गिरावट

एक्सचेंज की तरह ही कॉटन फिजिकल मार्केट में भी इस सप्ताह कीमतों में खासी गिरावट देखने को मिली। नार्थ, सेंटल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव गिरे हैं। नार्थ झोन में जहां 25 से 50 रूपए प्रति मंड तक की कमी देखने को मिली वहीं सेंटल झोन में 300 से 500 रूपए प्रति कैंडी तक भाव कम हुए हैं।

साउथ झोन में उड़िसा में सबसे कम 200 रूपए प्रति कैंडी की कमी कॉटन भाव में आई है जबकि सबसे ज्यादा कमी आंध्र प्रदेश में 800 रूपए प्रति कैंडी तक की देखी गई है। कॉटन कीमतों में आई इस कमी से व्यापार जगत में उम्मीद की किरण जागी है।

STATE		30.01.23		04.02.23		AVERAGE PRICE
STAPLE LENGTH		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,200	6,325	6,200	6,275	-50
HARYANA	27.5/28	6,200	6,350	6,170	6,325	-25
UPER RAJASTHAN	28	6,400	6,500	6,375	6,450	-50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,100	62,300	61,000	62,000	-300
MADHYA PRADESH	29	61,000	61,300	60,500	60,800	-500
MAHARASHTRA	29 vid.	61,500	62,000	61,000	61,500	-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	62,000	62,600	62,500	62,400	-200
KARNATAKA	29+	61,000	61,500	61,000	61,000	-500
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,000	62,500	61,500	61,700	-800
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	61,800	62,300	61,400	61,800	-500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy



NEWSLETTER

Saturday, 4 February 2023 | Vol. - 31



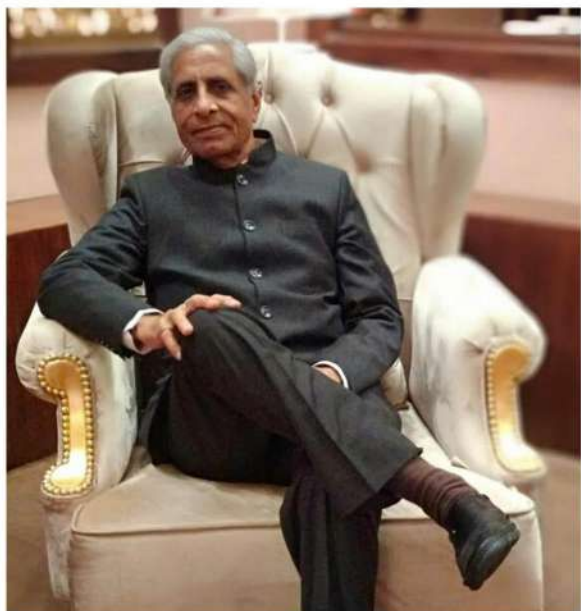
BUDGET 2023-24
Texprocil President welcomes Union Budget 2023-24

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



GOLD : 56560
SILVER : 67625
CRUD OIL : 6112

According to Satish Gakhar, a well-known cotton broker from Ganganagar in upper Rajasthan, while the cotton industry is growing continuously, the cotton crop is not growing at the same rate. If further growth is desired, the emphasis should be on increasing production rather than creating new industries.



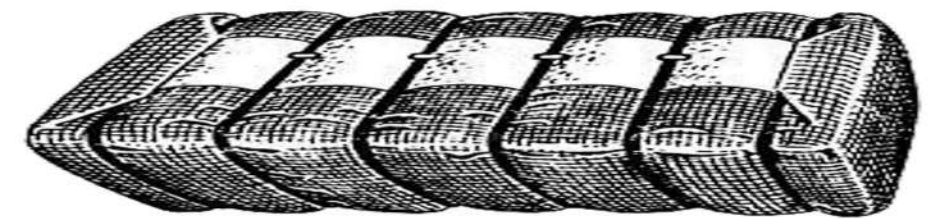
The only way for the industry to grow is to increase the yield of cotton.

SATISH GAKHAR/ (Cotton Broker, Ganganagar, Rajasthan)

He told that his association with the cotton industry is very old. Before 1950, his father had a cotton factory in Pakistan. After partition, he started cotton brokerage work for selected companies in Ganganagar region. From the year 1972, Satishji also entered this field. Presently he is one of the leading cotton brokers in Ganganagar region. Know the highlights of his conversation with SIS:

- This industry operates in such a way that if a factory earns a profit in one month, it covers its entire year's expenses. However, this year, not a single factory has been profitable for even a single day.
- Previously, this business was very stable. But since multinational companies have entered, there have been fluctuations. The companies are selling cotton to textile mills in advance, which has led to a decrease in our buyers. To put it in broader terms, while previously there were 50 mills available for sale, now only 5 remain.
- MCX is a tool that was created for landlords to sell their goods easily at the right price. But since the factory owner, multinational company and all the traders have come in it, the nature of business has changed on it.
- The budget 2023 contains no provisions for the textile industry, and the announcement of additional support for extra long staple cotton will not benefit Rajasthan. Efforts should be made to increase the production of local cotton. In recent years, the yield of indigenous cotton in Punjab, Haryana, and Rajasthan has been consistently declining.
- There is no shortage of land in Rajasthan, there is only shortage of water. If water starts coming from Punjab to Rajasthan, then the sandy land lying here can also become fertile. The quality of cotton here is good. If the government makes some efforts, the yield can be increased.
- In the past few years, ginning factories have been established rapidly in Rajasthan, leading to intense competition. In the Ganganagar region alone, the number of ginnings has increased from just 5 to over 10 in the past 5 years.
- A major change that has taken place between earlier and now is that earlier mills used to spend for getting ground reports made. The growth of the crop was assessed by going to the fields and the estimation was approximate but accurate to a large extent.
- Creating awareness among farmers to improve crop yield and maintain crop health is crucial. The government should establish a team that regularly visits villages to assess crop conditions and educate farmers.

New **"Quality Control Order"** for cotton bales to boost exports



To boost exports and curb imports of substandard products, the government is considering bringing in a new Quality Control Order (QCO) on items such as cotton bales and viscose yarn. Amid signs of a sharp decline in textile exports, Shah said export orders picked up in the fourth quarter and softening cotton prices would boost manufacturing. Textiles Secretary Rachna Shah said this, here are some edited excerpts of her talk:

The most important reason for introducing QCO is that the focus is more on quality. We have to compete with international quality. There have been instances of substandard goods coming in from other countries and it will try to look into that as well. Any QCO involves consultation with the industry and stakeholders are always present right from the preparation stage of the QCO. And if there's a genuine problem we're always ready to accommodate as much as possible. We are in the process of on-boarding several QCOs specifically in technical textiles. For QCO we are considering cotton bales and viscose yarn. This is a dynamic process and we will continuously assess it.

Able to get back benefits with FTA

A major disadvantage in these countries - UK, Australia, EU - is that import duties on our products cut into our competitiveness. But major competitors such as Bangladesh and Vietnam have better access due to their 'least developed country' status. With the FTA, we will be able to get back that advantage. Most of our interventions like PM MITRA, PLI scheme, all these are targeting creation of scale and economies of scale in all segments, so that we can cut down on logistics cost. As we build on our scale and size, along with cutting fees, we will be able to cater very well to these markets.

Apart from the European Union and the UK, India is also negotiating an FTA with Canada. The duty in UK and EU is 8 to 10 per cent. In Canada the duty is actually 14 to 18%. So there would be significant benefits - the EU in particular would be huge.

Government's strategy to fight the business slowdown


Compared to last year, the first three quarters have not been as optimistic. However, we expect a pick-up in specially formulated and man-made fibers in the last quarter of the current financial year. The global slowdown has affected both our major markets - the EU and the US. The order position improved in the fourth quarter. High cotton prices have come down and there could be green shoots for manufacturing in the next few months. And with the PLI scheme on FTAs, man-made fibers and technical textiles, we can expect a huge presence in the global trade.

**adani
wilmar**
For a healthy growing nation
Presents

GLOBAL CASTOR CONFERENCE 2023

24th -25th February 2023
Hotel Courtyard by Marriott, Ahmedabad
Gujarat, India.

Theme- Castor Sustainability - A Way Forward



THE SOLVENT EXTRACTORS' ASSOCIATION OF INDIA
PREMIER ASSOCIATION OF VEGETABLE OIL
INDUSTRY AND TRADE IN INDIA
ISO 9001:2015 Organisation

Know how this week was for textile investors

SIS report on share value of major textile companies between 30 January to 4 February

Due to the budget, there was a lot of ups and downs in the stock market this week. At the end of the week, the market cap of shares of some companies remained positive, while the market cap of most companies was negative. Let us know how the performance of major textile companies was on the stage of BSC-

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE
VARDHMAN TEXTILE LTD	295.3	296.35	287.55	3.05%
ARVIND LTD	82.9	84.9	82.5	1.70%
WELSPUN INDIA	69.05	70.55	67.75	0.95%
NITIN SPINNERS	202.2	212.4	201.1	7.10%
RAYMOND	1389	1446.95	1376.1	39.15%
AXITA COTTON	60.5	62.5	59.7	0.40%

Know the movement of this week's cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 04.02.2023			
ICE COTTON			
MONTH	27.01.23	03.02.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	86.89	85.43	-1.46
MAY	87.45	86.11	-1.34
JULY	87.8	86.72	-1.08
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1629	1608	-21
NCDEX (COCUD KHAL)			
FEB	2875	2768	-107
MARCH	2809	2711	-98
APRIL	2773	2706	-67
CURRENCY (\$)			
INDIAN (Rupee)	81.52	81.83	0.31
PAK (Pakistani Rupee)	262.849	275.498	12.649
CNY (Chinese yuan)	6.78344	6.77587	-0.00757
BRAZIL (Real)	5.10929	5.15199	0.0427
AUSTRALIAN Dollar	1.39826	1.44426	0.046
MALAYSIAN RINGGITS	4.24399	4.26008	0.01609
COTLOOK "A" INDEX			
COTLOOK "A" INDEX	102.4	101.7	-0.7
BRAZIL COTTON INDEX			
BRAZIL COTTON INDEX	104.27	102.03	-2.24
USDA SPOT RATE			
USDA SPOT RATE	84.68	83.25	-1.43
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)			
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	22000	2000
GOLD (\$)			
GOLD (\$)	1928	1877.7	-50.3
SILVER (\$)			
SILVER (\$)	23.725	22.39	-1.335
CRUDE (\$)			
CRUDE (\$)	79.38	73.23	-6.15

Last week, a slight decline was registered in the price of cotton. Cotton contracts for the months of March, May and July declined by 1.46, 1.34 and 1.08 points respectively on the International Cotton Exchange market.

Cotton prices on NCDX have also declined this week. At the beginning of the week, cotton for April contract was trading at Rs.1629, which fell by Rs.21 to Rs.1608 at the end of the week. A decline was also seen in the price of khal. For February, March and April deals, the rates have come down by Rs 107, Rs 98 and Rs 67 respectively.

Talking about other cotton exchanges, except the KCA spot rate of Pakistan, cotton prices have decreased on all other exchanges. Gains of 0.7 on the Cotlook A Index, 2.24 on the Brazil Cotton Index and 1.43 points on the USDA spot rate were recorded this week.

The dollar has once again won the currency market this week. Barring the Chinese Yuan, the dollar has dominated the currency of all other countries.

Texprocil President welcomes Union Budget 2023-24

The Union Budget 2023-24 is a growth oriented and an employment oriented budget which will boost the economy of India. Sunil Patwari, President, Cotton Textiles Export Promotion Council (TEXPROCIL) said, "Will bring great relief to MSMEs in the textile sector, helping them to compete sustainably in the global markets."




The Speaker appreciated the Government for proposing creation of new tariff lines for several products including cotton, as this would facilitate trade. Similarly, the productivity of Extra Long Staple Cotton (ELSC) will be enhanced through cluster-based and value chain approach adopted by the government through Public Private Partnership (PPP). He said this would mean collaboration between farmers, state and industry for input supply, extension services and market linkages, which is a welcome step.

Commenting on Budget 2023, Texprocil Chairman said, "The Union Budget has boosted job creation through proposals like Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY) 4.0 and setting up of 30 Skill India International Centers which will encourage expansion in businesses. and industry, thus leading to more jobs."

The Chairman appreciated the Government for taking steps towards reducing the regulatory compliance burden to improve Ease of Doing Business for the industry. Texprocil chairman said on the interest equalization scheme, "The increase in allocation from Rs 2376 crore in 2022-23 to Rs 2932 crore in 2023-24, an increase of 23%, will help support exports, especially by MSMEs. And other exporters in view of rising interest rates. He appealed to include cotton yarn in the list of 410 items eligible for interest subvention.

Texprocil Chairman said that the increase in allocation for MAI scheme from Rs 160 crore in 2022-23 to Rs 200 crore in 2023-24 is a welcome step towards showcasing Indian textiles in the global markets.

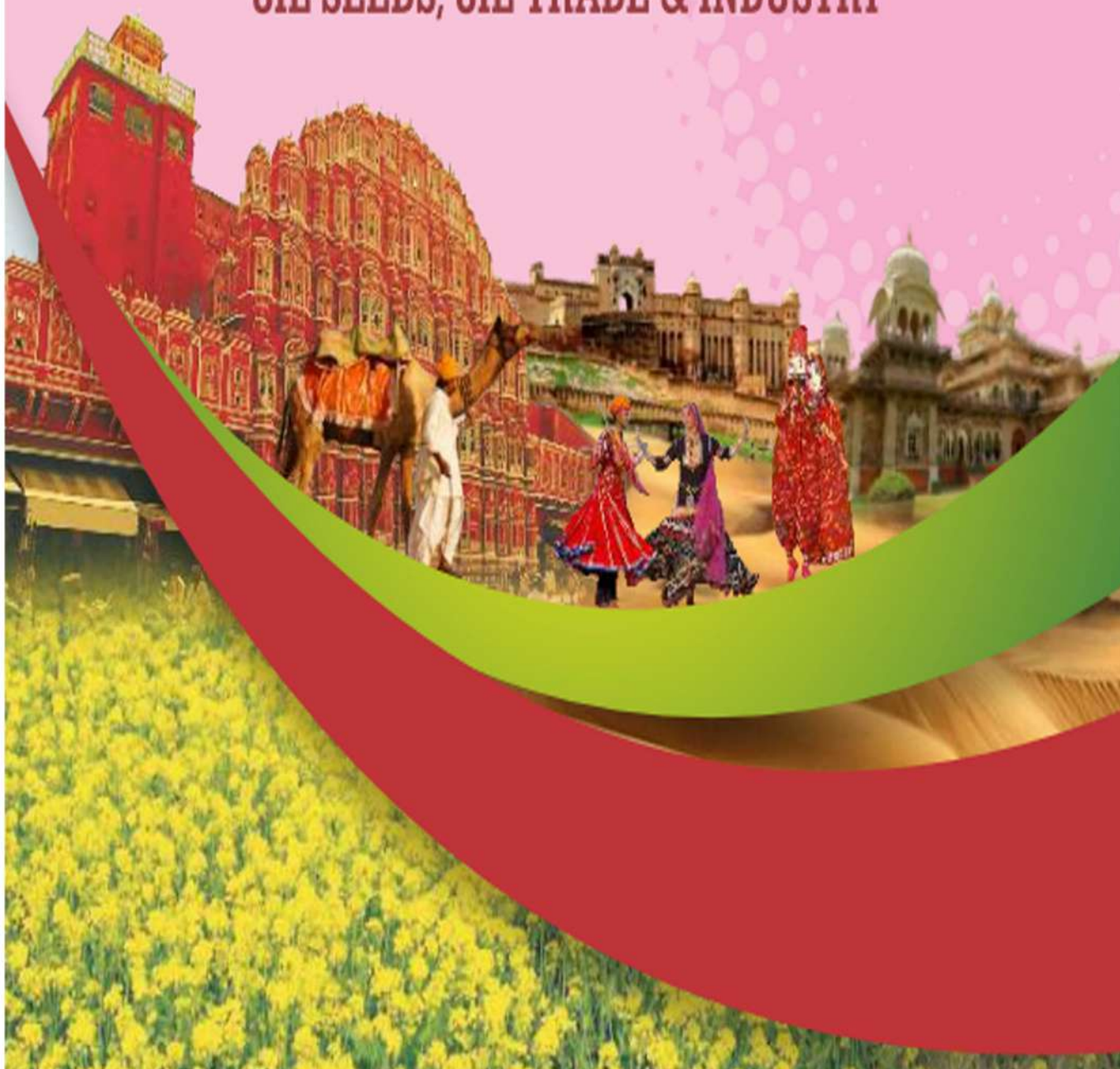


R A J A S T H A N

पधारो म्हारे देश


43rd

ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023
HOTEL CLARKS AMER
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023
BIRLA AUDITORIUM
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

Mustard Oil Producers Association of India

BABU LAL DATA President 9829099922	K.K. AGARWAL Secretary 9414023541	PARAS JAIN Treasurer 9610232000	ANIL CHATAR Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

Office : Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)
Fax: +91-141-2554972 • **website :** www.info@mopaindia.org • **E-mail :** info@mopaindia.org

Seminar Office : B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001
Mob. : +91 6377714501 • **E-mail :** mopa.jaipur@gmail.com

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

No change in BCD of cotton in Gujarat

With no change in the 10% Basic Custom Duty (BCD) on cotton imports, consumers will not get any respite from rising prices of apparel and fabrics. The industry, however, is happy with the plans to increase the productivity of extra long staple cotton through public-private partnership.

Cotton farmers of Punjab-Haryana and Rajasthan will not get any benefit from the announcement of extra long staple

The measures suggested in the Union Budget to increase the productivity of extra long staple cotton will be of no use to the three north Indian states of Punjab, Haryana and Rajasthan, which are growing cotton. Generally Punjab and Haryana produce raw cotton of 27.5-28.5 mm long staple.

Tiruppur knitwear exporters express concern over fourth quarter export order trends

The current quarter hasn't brought much cheer for knitwear exporters in Tiruppur, said a representative of a leading textile body in Tiruppur. In fact, in the third quarter, knitwear exports from Tirupur declined by nearly 19 per cent to around \$975 million.

Cotton futures market to resume on MCX from February 13

Recently MCX issued a circular and announced the introduction of cotton futures from 13 February 2023 with some modifications. In the new circular, it has been clarified that henceforth on MCX, hedging will be done under the symbol Cotton Candy and not Cotton.

Heavy loss to cotton farmers of Telangana

While cotton prices had crossed Rs 9,000 to Rs 10,000 per quintal last year and given handsome profits to cotton farmers of the region, this year cotton prices are hovering between Rs 6,000 to Rs 8,000 per quintal. Due to which farmers are facing huge loss as they are not able to get back their investment on cotton.

Fall in cotton prices

Similar to the exchange, the cotton physical market also saw a significant fall in prices this week. Cotton prices have fallen in all the three zones North, Central and South. In the North Zone, where a decrease of Rs. 25 to 50 per candy was seen, in the Central Zone, the price decreased by Rs. 300 to 500 per candy.

In the South Zone, the lowest decrease in cotton price has been seen in Orissa by Rs 200 per candy, while the maximum decrease has been seen in Andhra Pradesh up to Rs 800 per candy. This decrease in cotton prices has raised a ray of hope in the business world.

SMART INFO SERVICES		india.smartinfo@gmail.com		Call : 91119 77771 - 5		DATE: 04.02.2023
WEEKLY COTTON BALES MARKET						
STATE	STAPLE LENGTH	30.01.23		04.02.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,200	6,325	6,200	6,275	-50
HARYANA	27.5/28	6,200	6,350	6,170	6,325	-25
UPER RAJASTHAN	28	6,400	6,500	6,375	6,450	-50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,100	62,300	61,000	62,000	-300
MADHYA PRADESH	29	61,000	61,300	60,500	60,800	-500
MAHARASHTRA	29 vid.	61,500	62,000	61,000	61,500	-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	62,000	62,600	62,500	62,400	-200
KARNATAKA	29+	61,000	61,500	61,000	61,000	-500
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,000	62,500	61,500	61,700	-800
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	61,800	62,300	61,400	61,800	-500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						